

217

06/2018

पत्रवाची राज शासक लोक सभाला एक
 लेख करु गुरु देवसी घे एक दुर्गा
 वाराह (वाराह) की दुर्गा मारु
 नारायण जिना कलेम्व चेरु हों के
 विचार घेने हे इस वरु न विचार
 घे जाने हे इस गुरु के चरु की
 सोई कोपित्य रही है। इस गुरु चरु
 मीना जला है पत्रवाची कलेम्व घेने
 नारायण मय हे सभ्य शपकेल मूल वरु